



Coverage report

for Press Conference on CSR activities in Bihar By

HDFC Bank- Parivartan

Thursday, September 24th, 2026 | 12.00 pm

Venue: Hotel Maurya, Patna. South Gandhi
Maidan, Frazer Road, Patna 800001



INDEX

Event Media & PR Coverage(Print Media)

Sr. No	Date	Publication	Title	Page No.
1	Sep 25, 2026		“परिवर्तन कार्यक्रम से 73 लाख लोगों को फायदा”	07
2	Sep 25, 2026		“परिवर्तन कार्यक्रम का 73 लाख लोगों पर असर”	03
3	Sep 25, 2026		“एचडीएफसी बैंक के ‘परिवर्तन’ कार्यक्रम से मिला लाभ”	09
4	Sep 25, 2026		“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम से बिहार में 73 लाख लोगों को मिला लाभ”	08
5	Sep 25, 2026		“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”	02
6	Sep 25, 2026		“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”	08
7	Sep 25, 2026		“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”	03

8	Sep 25, 2026		“HDFC کے تبدیلی پروگرام نے بہار میں 7.3 ملین لوگوں کو متاثر کیا ہے”	02
9	Sep 25, 2026	SAMARTHA RASHTRA	“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”	03
10	Sep 25, 2026		ایچ ڈی ایف سی بینک کے پریورتن پروگرام کا بہار میں 73 لاکھ لوگوں پر مثبت اثر	09
11	Sep 25, 2026		ایچ ڈی ایف سی بینک کے پریورتن پروگرام کا بہار میں 73 لاکھ لوگوں پر مثبت اثر	03
12	Sep 25, 2026		“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”	12
13	Sep 25, 2026		“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का 73 लाख लोगों पर सकारात्मक असर”	03
14	Sep 25, 2026		ایچ ڈی ایف سی کے ‘پریورتن’ پروگرام کا بہار میں 73 لاکھ لوگوں پر مثبت اثر	04
15	Sep 25, 2026		“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”	02
16	Sep 25, 2026		“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”	03

17	Sep 25, 2026		ایچ ڈی ایف سی بینک کے رپورٹن پروگرام کا مثبت اثر	02
18	Sep 25, 2026	Andekhi Live	“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”	03
19	Sep 25, 2026		“परिवर्तन कार्यक्रम ने राज्य में 73 लाख लोगों पर डाला सकारात्मक असर”	02

Event Media & PR Coverage(Online and TV Media)

Sr. No	Publication	Title	Link
20		Patna : बिहार में बैंकिंग सेक्टर की बड़ी कोशिश, HDFC बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम	https://www.facebook.com/reel/28368617792832916
21		HDFC परिवर्तन का 73 लाख लोगों पर असर	https://www.facebook.com/share/v/1BtgqPJ76P/?mibextid=wwXlfr
22		Patna : बिहार में बैंकिंग सेक्टर की बड़ी कोशिश, HDFC बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम	https://x.com/news18bihar/status/2103109054658748834?s=48&t=sdUZ2iT30DYlbctVDDGhgg
23		एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर	https://www.bharatpostlive.com/hdfc-bank-parivartan-program/
24		एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर	https://biharpatrika.in/hdfc-bank-parivartan-program/
25		HDFC Bank Transformation: बिहार के 73 लाख लोगों पर असर 34 जिलों में CSR का बड़ा काम	https://www.youtube.com/watch?v=CbZKEcgOSk

26		बिहार के 73 लाख लोगों की जिंदगी में बदलाव की इबारत लिख रहा एचडीएफसी का ऑपरेशन परिवर्तन, 34 ज़िलों में फैला सीएसआर का दायरा	https://n4n.link/95f54d
----	---	--	---



Print Media Coverages

Event Media & PR Coverage



“परिवर्तन कार्यक्रम से 73 लाख लोगों को फायदा”

Publication : Hindustan

Page : 07

परिवर्तन कार्यक्रम से 73 लाख लोगों को फायदा

पटना। एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएफआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक राज्य में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। बैंक राज्य के 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं।

परिवर्तन के तहत बैंक छह मुख्य क्षेत्रों (ग्रामीण विकास, शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका सुधार, स्वास्थ्य और स्वच्छता, वित्तीय समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) पर ध्यान दे रहा है। यह बातें गुरुवार को गांधी मैदान के नजदीक स्थित एक होटल सभागार में बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पठान ने



पत्रकारों से कही। बैंक के पूर्वी शाखा बैंकिंग प्रमुख अनिल खुगशाल ने कहा कि बैंक ने देश भर में सीएसआर कार्यक्रमों पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपये खर्च किये थे।

“परिवर्तन कार्यक्रम से 73 लाख लोगों पर असर”

Publication : Dainik Jagran

Page : 03

परिवर्तन कार्यक्रम का 73 लाख लोगों पर असर

जागरण संवाददाता, पटना : एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम से प्रदेश में अब तक 73 लाख लोगों पर असर पड़ा है। बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और 38 में से 34 जिलों में कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इनमें 13 आकांक्षी जिले और छह आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। कार्यक्रम के तहत ग्रामीण विकास, शिक्षा, कौशल व आजीविका, स्वास्थ्य-स्वच्छता, वित्तीय समावेशन और प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर काम किया जा रहा है। बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पठान, रीजनल हेड अभिषेक कुमार और ईस्ट ब्रांच बैंकिंग हेड अनिल खुगशाल ने कार्यक्रम के जरिए स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों पर जोर देने की बात कही।

“एचडीएफसी बैंक के ‘परिवर्तन’ कार्यक्रम से मिला लाभ”

Publication : Dainik Bhaskar

Page : 09

एचडीएफसी बैंक के ‘परिवर्तन’ कार्यक्रम से मिला लाभ



पटना | एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर विंग ‘परिवर्तन’ के जरिए बिहार में 73 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। बैंक साल 2016 से राज्य के 38 में से 34 जिलों में सक्रिय है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले भी शामिल हैं। बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पठान के अनुसार यह कार्यक्रम ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और वित्तीय साक्षरता जैसे छह मुख्य क्षेत्रों पर केंद्रित है।

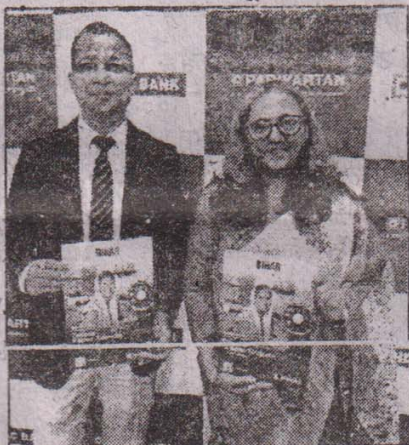
“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम से बिहार में 73 लाख लोगों को मिला लाभ”

Publication : Aaj

Page : 08

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम से बिहार में 73 लाख लोगों को मिला लाभ

पटना(आससे)। एचडीएफसी बैंक के सीएसआर विंग परिवर्तन कार्यक्रम के माध्यम से बिहार में अब तक करीब 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। बैंक वर्ष 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में विभिन्न सामाजिक विकास कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इनमें 13 आकांक्षी जिले और छह आकांक्षी प्रखंड शामिल हैं। परिवर्तन कार्यक्रम के तहत ग्रामीण विकास, शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण एवं आजीविका, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता एवं समावेशन तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन जैसे छह प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। कार्यक्रम के माध्यम से किसानों को टिकाऊ कृषि के लिए सहयोग देने के साथ शिक्षा, कौशल विकास और आधारभूत संरचना को हो सकता। इसलिए स्थानीय जरूरतों और चुनौतियों को ध्यान में रखकर कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं। क्षेत्रीय प्रमुख अभिषेक कुमार ने कहा कि बिहार में परिवर्तन का उद्देश्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे में सुधार, रोजगार क्षमता बढ़ाने और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बेहतर करना है। ईस्ट ब्रांच बैंकिंग प्रमुख अनिल खुगशाल ने कहा कि बैंक सभी वर्गों तक बैंकिंग सेवाएं पहुंचाने के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में बैंक ने देशभर में सीएसआर कार्यक्रमों पर 1316 करोड़ रुपये खर्च किए। परिवर्तन कार्यक्रम के माध्यम से देशभर में 10.77 करोड़ से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई गई है।



मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर प्रमुख नुसरत पठान ने कहा कि सामाजिक विकास के लिए सभी क्षेत्रों में एक समान दृष्टिकोण कारगर नहीं

“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”

Publication : Hindustan Ka Pratik

Page : 02

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

-- राज्य के 38 में से 34 जिलों में असर, जिसमें 13 एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स शामिल

पटना : भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पटान ने कहा कि एचडीएफसी बैंक में हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही तरीका सब पर लागू नहीं होता। परिवर्तन के जरिए, हम जरूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं। बिहार में हमारा काम इसी सोच को दिखाता है - किसानों



को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक। हम जमीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा

में एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन का काम ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, रोजगार की क्षमता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। एचडीएफसी बैंक के ईस्ट ब्रांच मैनेजिंग हेड अनिल खुगशाल ने कहा कि हम पूरे बिहार में बैंकिंग सेवाओं की एक पूरी रेंज देने और यह पक्का करने के लिए समर्पित हैं कि ये सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हों। एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर एचडीएफसी बैंक लोगों और परिवारों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने पर भी उतना ही ध्यान देता है। मार्च 2026 में खत्म हुए फाइनेंशियल ईयर के दौरान एचडीएफसी बैंक भारत में सबसे ज्यादा सीएसआर खर्च करने वाले बैंकों में से एक था। बैंक ने देश भर में सीएसआर प्रोग्राम पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपये खर्च किए थे। परिवर्तन प्रोग्राम के तहत बैंक ने देश भर में 10.77 करोड़ से ज्यादा लोगों के जीवन पर असर डाला है।

“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”

Publication : Uttarshakti

Page : 05

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

पटना(उत्तरशक्ति)। भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएफआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं।

परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पटान ने कहा कि एचडीएफसी बैंक में हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही तरीका सब पर



लागू नहीं होता। परिवर्तन के जरिए हम जरूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं।

बिहार में हमारा काम इसी सोच

को दिखाता है - किसानों को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक। हम जमीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा देने और लंबे समय तक असर डालने में अपना छोटा सा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचडीएफसी बैंक के रीजनल हेड अभिषेक कुमार ने कहा कि बिहार में एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन का काम ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, रोजगार की क्षमता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने

और प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। एचडीएफसी बैंक के ईस्ट ब्रांच बैंकिंग हेड अनिल खुगशाल ने कहा कि हम पूरे बिहार में बैंकिंग सेवाओं की एक पूरी रेंज देने और यह पक्का करने के लिए समर्पित हैं कि ये सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हों। एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर एचडीएफसी बैंक लोगों और परिवारों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने पर भी उतना ही ध्यान देता है। मार्च 2026 में खत्म हुए फाइनेंशियल ईयर के दौरान एचडीएफसी बैंक भारत में सबसे ज्यादा सीएसआर खर्च करने वाले बैंकों में से एक था। बैंक ने देश भर में सीएसआर प्रोग्राम्स पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपये खर्च किए थे। परिवर्तन प्रोग्राम के तहत बैंक ने देश भर में 10.77 करोड़ से ज्यादा लोगों के जीवन पर असर डाला है।

“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”

Publication : Sanmarg

Page : 03

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

पटना/संवाददाता। भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएफआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है।

بینک کے تبدیلی پروگرام نے بہار میں 7.3 ملین لوگوں کو "HDFC" متاثر کیا ہے

Publication : Taasir

Page : 02

HDFC بینک کے تبدیلی پروگرام نے بہار میں 7.3 ملین لوگوں کو متاثر کیا ہے

- ریاست کے 38 میں سے 34 اضلاع میں اثر، بشمول 13 خواہش مند اضلاع
 پٹنہ: ہندوستان کے سب سے بڑے نجی شعبے کے بینک، ایچ ڈی ایف سی بینک نے
 اپنے CSR ونگ، رپورٹن کے ذریعے اب تک بہار میں تقریباً 7.3 ملین لوگوں
 کی زندگیوں پر مثبت اثر ڈالا ہے۔ ایچ ڈی ایف سی بینک 2016 سے ریاست میں
 سرگرم ہے اور بہار کے 38 میں سے 34 اضلاع میں کام کر رہا ہے، جس میں 13
 اضلاع اور چھ بلاکس شامل ہیں۔ رپورٹن کے تحت، بینک نے چھ اہم شعبوں پر توجہ
 مرکوز کی ہے: دیہی ترقی، تعلیم کا فروغ، مہارت کی تربیت اور معاش میں بہتری،
 صحت کی دیکھ بھال اور صفائی، مالی
 خواندگی اور شمولیت، اور قدرتی
 وسائل کا انتظام۔ نصرت پٹھان،
 سی ایس آر ہیڈ، ایچ ڈی ایف سی
 بینک نے کہا، "ایچ ڈی ایف سی
 بینک میں، ہم سمجھتے ہیں کہ سی ایس
 آر کے لیے ایک ہی سائز کا کوئی
 طریقہ نہیں ہے۔ رپورٹن کے
 ذریعے، ہم ایسے پروگراموں کو
 ڈیزائن اور نافذ کرتے ہیں جو ہر
 علاقے کے مخصوص چیلنجز کو حل کرتے ہیں۔" بہار میں ہمارا کام اس فلسفے کی عکاسی
 کرتا ہے - پائیدار کاشتکاری میں کسانوں کی مدد سے لے کر تعلیم، ہنر کی ترقی اور
 بنیادی ڈھانچے کو مضبوط کرنا۔



“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”

Publication : Samartha Rashtra

Page : 03

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

■ राज्य के 38 में से 34 जिलों में असर, जिसमें 13 एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स शामिल

समर्थ राष्ट्र । संवाददाता

पटना : भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण



विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पटान ने कहा कि एचडीएफसी बैंक में हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही तरीका सब पर लागू नहीं होता।

परिवर्तन के जरिए, हम जरूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं। बिहार में हमारा काम इसी सोच को दिखाता है - किसानों को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक। हम जमीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा देने और लंबे समय तक असर डालने में अपना छोटा सा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचडीएफसी बैंक के रीजनल हेड अभिषेक कुमार ने कहा कि बिहार में एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन का काम ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, रोजगार की क्षमता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं तक

पहुंच बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। एचडीएफसी बैंक के ईस्ट ब्रांच बैंकिंग हेड अनिल खुगशाल ने कहा कि हम पूरे बिहार में बैंकिंग सेवाओं की एक पूरी रेंज देने और यह पक्का करने के लिए समर्पित हैं कि ये सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हों। एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर एचडीएफसी बैंक लोगों और परिवारों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने पर भी उतना ही ध्यान देता है। मार्च 2026 में खत्म हुए फाइनेंशियल ईयर के दौरान एचडीएफसी बैंक भारत में सबसे ज्यादा सीएसआर खर्च करने वाले बैंकों में से एक था। बैंक ने देश भर में सीएसआर प्रोग्राम्स पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

ایچ ڈی ایف سی بینک کے | پرپورتن پروگرام کا | بہار میں | 73 لاکھ لوگوں پر | مثبت اثر

Publication : Qaumi Tanzeem

Page : 09



ایچ ڈی ایف سی بینک کے پرپورتن پروگرام کا بہار میں 73 لاکھ لوگوں پر مثبت اثر

بمبئی (پریس اعلانیہ) بھارت کے سب سے بڑے پرائیویٹ سیکٹر بینک، ایچ ڈی ایف سی بینک نے اپنے ایس آر ونگ پرپورتن کے لیے اب تک بہار میں تقریباً 73 لاکھ لوگوں کی زندگیوں پر مثبت اثر ڈالا ہے۔ ایچ ڈی ایف سی بینک 2016 سے ریاست میں فعال ہے اور بہار کے 38 میں سے 34 اضلاع میں کام کر رہا ہے، جن میں 13 آکاشی اضلاع اور 6 آکاشی بلاکس شامل ہیں۔ پرپورتن کے تحت، بینک نے چھ اہم شعبوں پر توجہ مرکوز کی ہے جن میں دیہی ترقی، تعلیم کا فروغ، ہنرمندی کی تربیت اور ذریعہ معاش میں بہتری، صحت نامہ اور صفائی ستھرائی، مالیاتی خواندگی اور سمولیت، اور قدرتی وسائل کا انتظام شامل ہیں۔ ایچ ڈی ایف سی بینک کی ایس آر ونگ نے بہار میں ہمارا کام اسی سوچ کا عکاس ہے کہ انسانوں کو پائیدار کھیتی باڑی میں مدد کرنے سے لے کر تعلیم، اسکل ڈیولپمنٹ اور بنیادی ڈھانچے (انفراسٹرکچر) کو مضبوط کرنے تک۔ ہم زمینی سطح پر سب کے ساتھ مل کر ترقی کو فروغ دینے اور طویل مدتی اثرات مرتب کرنے میں اپنا چھوٹا سا تعاون دینے کے لیے پرعزم ہیں۔ ایچ ڈی ایف سی بینک کے ریجنل ہیڈ ایڈیشیک کمار نے کہا کہ بہار میں ایچ ڈی ایف سی بینک کے پرپورتن کا کام دیہی معیشت کو مضبوط بنانے، تعلیم کے بنیادی ڈھانچے کو بہتر بنانے، روزگار کی صلاحیت بڑھانے، طبی سہولیات تک رسائی میں اضافہ کرنے اور

قد رتی وسائل کے پائیدار انتظام کو فروغ دینے پر مرکوز ہے۔ ایچ ڈی ایف سی بینک کے ایس آر ونگ ریجنل ہیڈ ایڈیشیک کمار نے کہا، "ہم پورے بہار میں بینکنگ خدمات کی ایک مکمل رینج فراہم کرنے اور یہ یقینی بنانے کے لیے وقف ہیں کہ یہ خدمات تمام لوگوں کے لیے دستیاب ہوں۔ ایک سماجی طور پر ذمہ دار کارپوریٹ شہری کے طور پر، ایچ ڈی ایف سی بینک لوگوں اور خاندانوں کی زندگیوں میں معنی خیز تبدیلی لانے پر بھی اتنی ہی توجہ دیتا ہے۔ مارچ 2026 میں ختم ہونے والے مالیاتی سال کے دوران ایچ ڈی ایف سی بینک بھارت میں سب سے زیادہ ایس آر رقم خرچ کرنے والے بینکوں میں سے ایک تھا۔ بینک نے ملک بھر میں ایس آر پروگراموں پر 31 مارچ 2026 تک 1316 کروڑ روپے خرچ کیے تھے۔ پرپورتن پروگرام کے تحت بینک نے ملک بھر میں 77.10 کروڑ سے زیادہ لوگوں کی زندگیوں پر مثبت اثر ڈالا ہے۔

“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”

Publication : Pratah Kiran

Page : 12

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

■ राज्य के 38 में से 34 जिलों में असर, जिसमें 13 एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स शामिल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना : भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य स-



वा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पटान ने कहा कि एचडीएफसी बैंक में हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई

एक ही तरीका सब पर लागू नहीं होता। परिवर्तन के जरिए, हम जरूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं। बिहार में हमारा काम इसी सोच को दिखाता है - किसानों को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक। हम जमीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा देने और लंबे समय तक असर डालने में अपना छोटा सा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचडीएफसी बैंक के रीजनल हेड अभिषेक कुमार ने कहा कि बिहार में एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन का काम ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, रोजगार की क्षमता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों

के टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। एचडीएफसी बैंक के ईस्ट ब्रांच बैंकिंग हेड अनिल खुगशाल ने कहा कि हम पूरे बिहार में बैंकिंग सेवाओं की एक पूरी रेंज देने और यह पक्का करने के लिए समर्पित हैं कि ये सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हों। एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर एचडीएफसी बैंक लोगों और परिवारों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने पर भी उतना ही ध्यान देता है। मार्च 2026 में खत्म हुए फाइनेंशियल ईयर के दौरान एचडीएफसी बैंक भारत में सबसे ज्यादा सीएसआर खर्च करने वाले बैंकों में से एक था। बैंक ने देश भर में सीएसआर प्रोग्राम्स पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपए खर्च किए थे। परिवर्तन प्रोग्राम के तहत बैंक ने देश भर में 10.77 करोड़ से ज्यादा लोगों के जीवन पर असर डाला है।

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का 73 लाख लोगों पर सकारात्मक असर”

Publication : Rashtriya Sagar

Page : 03

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का 73 लाख लोगों पर सकारात्मक असर



पटना (रासासं) : भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएफआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से बिहार के 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। बैंक ने देश भर में सीएसआर प्रोग्राम्स पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपए खर्च किए थे। परिवर्तन प्रोग्राम के तहत बैंक ने देश भर में 10.77 करोड़ से ज्यादा लोगों के जीवन पर असर डाला है।

ایچ ڈی ایف سی کے 'پریورتن' پروگرام کا بہار میں 73 لاکھ لوگوں پر مثبت اثر

Publication : Pindar

Page : 04



پٹنہ 24 ستمبر (پی این ایس) بھارت کے سب سے بڑے پرائیویٹ سیکٹر بینک، ایچ ڈی ایف سی نے اپنے سی ایس آر ڈنگ 'پریورتن' کے ذریعے اب تک بہار میں تقریباً 73 لاکھ لوگوں کی زندگیوں پر مثبت اثر ڈالا ہے۔ ایچ ڈی ایف سی بینک 2016 سے ریاست میں فعال ہے اور بہار کے 38 میں سے 34 اضلاع میں کام کر رہا ہے، جن میں 13 آکاشی اضلاع اور 6 آکاشی بلاکس شامل ہیں۔ 'پریورتن' کے تحت، بینک نے چھ اہم شعبوں پر توجہ مرکوز کی ہے جن میں دیہی ترقی، تعلیم کا فروغ، ہنرمندی کی تربیت اور ذریعہ معاش میں بہتری، صحت عامہ اور صفائی ستھرائی، مالیاتی خواندگی اور شمولیت، اور قدرتی وسائل کا انتظام شامل ہیں۔ ایچ ڈی ایف سی بینک کی سی ایس آر ہیڈ نصرت پٹھان نے کہا، "ایچ ڈی ایف سی بینک میں ہمارا ماننا ہے کہ سی

پائیدار انتظام کو فروغ دینے پر مرکوز ہے۔ ایچ ڈی ایف سی بینک کے ایس آر ڈنگ بینکنگ ہیڈ ائل کھگشال نے کہا، "ہم پورے بہار میں بینکنگ خدمات کی ایک مکمل رینج فراہم کرنے اور یہ یقینی بنانے کے لیے وقف ہیں کہ یہ خدمات تمام لوگوں کے لیے دستیاب ہوں۔ مارچ 2026 میں ختم ہونے والے مالیاتی سال کے دوران ایچ ڈی ایف سی بینک بھارت میں سب سے زیادہ سی ایس آر رقم خرچ کرنے والے بینکوں میں سے ایک تھا۔ بینک نے ملک بھر میں سی ایس آر پروگراموں پر 31 مارچ 2026 تک 1316 کروڑ روپے خرچ کیے تھے۔ 'پریورتن' پروگرام کے تحت بینک نے ملک بھر میں 10.77 کروڑ سے زیادہ لوگوں کی زندگیوں پر مثبت اثر ڈالا ہے۔

ایس آر کے لیے کوئی ایک ہی طریقہ سب پر لاگو نہیں ہوتا۔ ایچ ڈی ایف سی بینک کے ریجنل ہیڈ ابھیشیک کمار نے کہا کہ بہار میں ایچ ڈی ایف سی بینک کے 'پریورتن' کا کام دیہی معیشت کو مضبوط بنانے، تعلیم کے بنیادی ڈھانچے کو بہتر بنانے، روزگار کی صلاحیت بڑھانے، طبی سہولیات تک رسائی میں اضافہ کرنے اور قدرتی وسائل کے

“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”

Publication : Navbihar Times

Page : 02

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएफआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। परिवर्तन के तहत बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पठान ने कहा कि एचडीएफसी बैंक में हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही तरीका सब पर लागू नहीं होता।



परिवर्तन के जरिए, हम जरूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं। बिहार में हमारा काम इसी सोच को दिखाता है - किसानों को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक। हम जमीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा देने और लंबे समय तक असर डालने में अपना छोटा सा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”

Publication : Nai Soch Express

Page : 03

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएफआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 30 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पटान ने



कहा कि एचडीएफसी बैंक में हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही तरीका सब पर लागू नहीं होता। परिवर्तन के जरिए, हम जरूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं। बिहार में हमारा काम इसी सोच

» राज्य के 38 में से 34 जिलों में असर, जिसमें 13 एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स शामिल

को दिखाता है - किसानों को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक। हम जमीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा देने और लंबे समय तक असर डालने में अपना छोटा सा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचडीएफसी बैंक के रीजनल हेड अभिषेक कुमार ने कहा कि बिहार में एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन का काम ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, रोजगार की क्षमता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने पर

केंद्रित है। एचडीएफसी बैंक के ईस्ट ब्रांच बैंकिंग हेड अनिल खुगशाल ने कहा कि हम पूरे बिहार में बैंकिंग सेवाओं की एक पूरी रेंज देने और यह पक्का करने के लिए समर्पित हैं कि ये सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हों। एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर एचडीएफसी बैंक लोगों और परिवारों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने पर भी उतना ही ध्यान देता है। मार्च 2026 में खतम हुए फाइनैशियल ईयर के दौरान एचडीएफसी बैंक भारत में सबसे ज्यादा सीएसआर खर्च करने वाले बैंकों में से एक था। बैंक ने देश भर में सीएसआर प्रोग्राम्स पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपये खर्च किए थे। परिवर्तन प्रोग्राम के तहत बैंक ने देश भर में 10.77 करोड़ से ज्यादा लोगों के जीवन पर असर डाला है।

اتحادیہ آفیشل بینک کے پیٹروں پمپ پروگرام کا بھارت میں 73 لاکھ لوگوں پر مثبت اثر

Publication : Sahara Express Urdu

Page : 03+

ایچ ڈی ایف سی بینک کے پیورتن پروگرام کا بھارت میں 73 لاکھ لوگوں پر مثبت اثر

پٹنہ: بھارت کے سب سے بڑے پرائیویٹ سیکٹر بینک، ایچ ڈی ایف سی بینک نے اپنے سی ایس آر ونگ پیورتن کے ذریعے اب تک بھارت میں تقریباً 73 لاکھ لوگوں کی زندگیوں پر مثبت اثر ڈالا ہے۔ ایچ ڈی ایف سی بینک 2016 سے ریاست میں فعال ہے اور بھارت کے 38 میں سے 34 اضلاع میں کام کر رہا ہے، جن میں 13 آکاشی اضلاع اور 6 آکاشی بلاکس شامل ہیں۔ پیورتن کے تحت، بینک نے چھ اہم شعبوں پر توجہ مرکوز کی ہے جن میں دیہی ترقی، تعلیم کا فروغ، ہنرمندی کی تربیت اور ذریعہ معاش میں بہتری، صحت عامہ اور صفائی ستھرائی، مالیاتی خواندگی اور شمولیت، اور قدرتی وسائل کا انتظام شامل ہیں۔ ایچ ڈی ایف سی بینک کی سی ایس آر ہینڈلڈ پٹنہ نے کہا، "ایچ ڈی ایف سی بینک میں ہمارا ماننا ہے کہ سی ایس آر کے لیے کوئی ایک ہی طریقہ سب پر لاگو نہیں ہوتا۔ پیورتن کے ذریعے، ہم ضروریات کے مطابق ایسے پروگرام بناتے اور نافذ کرتے ہیں جو ہر علاقے کے مخصوص چیلنجوں کا حل پیش کرتے ہیں۔ بھارت میں ہمارا کام اسی سوچ کا عکاس ہے۔ کسانوں کو پائیدار کھیتی باڑی میں مدد کرنے سے لے کر تعلیم، اسکل ڈیولپمنٹ اور بنیادی ڈھانچے (انفراسٹرکچر) کو مضبوط کرنے تک۔ ہم زمینی سطح پر سب کے ساتھ مل کر ترقی کو فروغ دینے اور طویل مدتی

اثرات مرتب کرنے میں اپنا چھوٹا سا تعاون دینے کے لیے پرعزم ہیں۔ ایچ ڈی ایف سی بینک کے رجسٹرڈ ہینڈلڈ پٹنہ نے کہا کہ بھارت میں ایچ ڈی ایف سی بینک کے پیورتن کا کام دیہی معیشت کو مضبوط بنانے، تعلیم کے بنیادی ڈھانچے کو بہتر بنانے، روزگار کی صلاحیت بڑھانے، طبی سہولیات تک رسائی میں اضافہ کرنے اور قدرتی وسائل کے پائیدار انتظام کو فروغ دینے پر مرکوز ہے۔ ایچ ڈی ایف سی بینک کے ایسٹ براچ بینکنگ ہینڈلڈ پٹنہ نے کہا، "ہم پورے بھارت میں بینکنگ خدمات کی ایک مکمل رینج فراہم کرنے اور یہ یقینی بنانے کے لیے وقف ہیں کہ یہ خدمات تمام لوگوں کے لیے دستیاب ہوں۔ ایک سماجی طور پر ذمہ دار کارپوریٹ شہری کے طور پر، ایچ ڈی ایف سی بینک لوگوں اور خاندانوں کی زندگیوں میں معنی خیز تبدیلی لانے پر بھی اتنی ہی توجہ دیتا ہے۔ مارچ 2026 میں ختم ہونے والے مالیاتی سال کے دوران ایچ ڈی ایف سی بینک بھارت میں سب سے زیادہ سی ایس آر رقم خرچ کرنے والے بینکوں میں سے ایک تھا۔ بینک نے ملک بھر میں سی ایس آر پروگراموں پر 31 مارچ 2026 تک 1316 کروڑ روپے خرچ کیے تھے۔ پیورتن پروگرام کے تحت بینک نے ملک بھر میں 77.10 کروڑ سے زیادہ لوگوں کی زندگیوں پر مثبت اثر ڈالا ہے۔

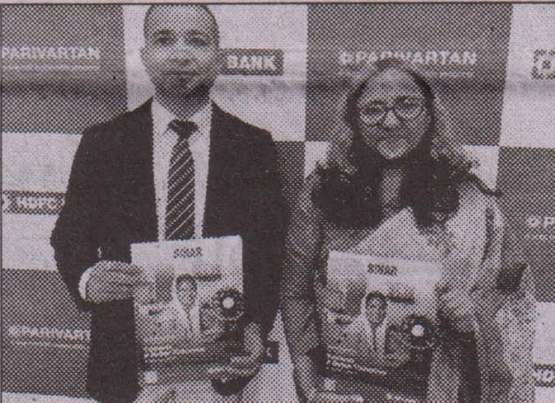


ایچ ڈی ایف سی بینک کے رپورٹن پروگرام کا مثبت اثر

Publication : Farooqui Tanzeem

Page : 02

ایچ ڈی ایف سی بینک کے رپورٹن پروگرام کا مثبت اثر



پٹنہ (اسٹاف رپورٹر) ایچ ڈی ایف سی بینک نے اپنے سی ایس آر ونگ رپورٹن 'کے ڈر' یے اب تک بہار میں تقریباً 73 لاکھ لوگوں کی زندگیوں پر مثبت اثر ڈالا ہے۔ ایچ ڈی ایف سی بینک 2016 سے ریاست میں فعال ہے اور بہار کے 38 میں سے 34 اضلاع میں کام کر رہا ہے، جن میں 13 آکاشی اضلاع اور 6 آکاشی بلاکس شامل ہیں۔ رپورٹن 'کے ڈر' کے تحت، بینک نے چھ اہم شعبوں پر توجہ مرکوز کی ہے جن میں وہی ترقی، تعلیم کا فروغ، ہنرمندی کی تربیت اور ذریعہ معاش میں بہتری، صحت عامہ اور صفائی ستھرائی، مالیاتی خواندگی اور شمولیت، اور قدرتی وسائل کا انتظام شامل ہیں۔ ایچ ڈی ایف سی بینک کی سی ایس آر ہیڈنصرت پٹھان نے کہا، "ایچ ڈی ایف سی بینک میں ہمارا ماننا ہے کہ سی ایس آر کے لیے کوئی ایک ہی طریقہ سب پر لاگو نہیں ہوتا۔ رپورٹن 'کے ڈر' یے، ہم ضروریات کے مطابق ایسے پروگرام

بناتے اور نافذ کرتے ہیں جو ہر علاقے کے مخصوص چیلنجوں کا حل پیش کرتے ہیں۔ بہار میں ہمارا کام اسی سوچ کا عکاس ہے۔ کسانوں کو پائیدار کھیتی باڑی میں مدد کرنے سے لے کر تعلیم، اسکل ڈیولپمنٹ اور بنیادی ڈھانچے کو مضبوط کرنے کے لیے پرعزم ہے۔

“एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर”

Publication : Andekhi Live

Page : 03

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

पटना। भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी



बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पटान ने कहा कि एचडीएफसी बैंक में हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही तरीका सब पर लागू नहीं होता। परिवर्तन के जरिए, हम जरूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं। बिहार में हमारा काम इसी सोच को दिखाता है- किसानों को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा, स्कूल

डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक। हम जमीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा देने और लंबे समय तक असर डालने में अपना छोटा सा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचडीएफसी बैंक के रीजनल हेड अभिषेक कुमार ने कहा कि बिहार में एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन का काम ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, रोजगार की क्षमता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। एचडीएफसी बैंक के ईस्ट ब्रांच बैंकिंग हेड अनिल खुगशाल ने कहा कि हम पूरे बिहार में बैंकिंग

सेवाओं की एक पूरी रेंज देने और यह पक्का करने के लिए समर्पित हैं कि ये सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हों। एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर एचडीएफसी बैंक लोगों और परिवारों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने पर भी उतना ही ध्यान देता है। मार्च 2026 में खत्म हुए फाइनेंशियल ईयर के दौरान एचडीएफसी बैंक भारत में सबसे ज्यादा सीएसआर खर्च करने वाले बैंकों में से एक था। बैंक ने देश भर में सीएसआर प्रोग्राम्स पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपए खर्च किए थे। परिवर्तन प्रोग्राम के तहत बैंक ने देश भर में 10.77 करोड़ से ज्यादा लोगों के जीवन पर असर डाला है।

“परिवर्तन कार्यक्रम ने राज्य में 73 लाख लोगों पर डाला सकारात्मक असर”

Publication : Chauthi Vani

Page : 02

परिवर्तन कार्यक्रम ने राज्य में 73 लाख लोगों पर डाला सकारात्मक असर

चौथी वाणी/पटना। एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएफआर विंग परिवर्तन के जरिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। बैंक राज्य के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी



जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पटान ने कहा कि हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही तरीका सब पर लागू नहीं होता।

परिवर्तन के जरिए हम जरूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं। बिहार में हमारा काम इसी सोच को दिखाता है। हम जमीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा देने और लंबे समय तक असर डालने में अपना छोटा सा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

TV & Online Media Coverages

Event Media & PR Coverage

HDFC Bank Parivartan: Impact on 7.3 Million People in Bihar | Major CSR Work Across 34 Districts

Publication : RS News

Link : <https://www.youtube.com/watch?v=CbZKEcg0Sk>



Patna : बिहार में बैंकिंग सेक्टर की बड़ी कोशिश, HDFC बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम

Publication : News18Bihar

Link : <https://www.facebook.com/reel/28368617792832916>



HDFC परिवर्तन का 73 लाख लोगों पर असर

Publication : 24*7 Bihar News

Link : <https://www.facebook.com/reel/2098051927476275>



The screenshot shows a Facebook Reel interface. At the top, there's a search bar and navigation icons. The Reel video has a red and yellow title card that reads "HDFC परिवर्तन का 73 लाख पर असर बिहार के 34 जिलों में पहुंच". The video content shows a group of women in a processing unit, with English text overlay explaining their journey from selling raw peanuts to producing high-quality salted peanuts and chicki. Below the video, there are hashtags: #पटना, #Patna, #BiharNews, #HDFCParivartan, #HDFC, #SocialImpact, #73LakhPeople, #CommunityDevelopment, #BiharNews, #BreakingNews, #LatestNews, #Bihar. The video is from the channel "24X7Biharnews" and "Bihar News Channel 236".

Patna: Major initiative in Bihar's banking sector, HDFC Bank's transformation program

Publication : News18 Bihar Jharkhand

Link : <https://x.com/News18Bihar/status/2103109054658748834>



- Home
- Explore
- Notifications
- Follow
- Chat
- Grok
- History
- Premium
- Profile
- More
- 14 Free X Tools

← Post

 **News18 Bihar** 
@News18Bihar

Translated from Hindi [Show original](#)

Patna: Major initiative in Bihar's banking sector, HDFC Bank's transformation program

[#news18biharjharkhand](#)

Rate this translation:  

HDFC बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम

पटना



संवाददाता रजनीश कुमार की रिपोर्ट

0:45 / 3:17

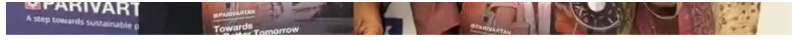
6:37 PM · Sep 24, 2026 · 2,746 Views

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

Publication : Bharat Post Live

Link : <https://www.bharatpostlive.com/>





असर बिहार राज्य

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

September 24, 2026 Manju Shree



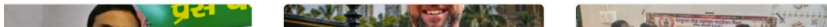
राज्य के 38 में से 34 जिलों में असर, जिसमें 13 एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स शामिल

पटना : भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएफआर विंग परिवर्तन के ज़रिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पठान ने कहा कि एचडीएफसी बैंक में हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही तरीका सब पर लागू नहीं होता। परिवर्तन के ज़रिए, हम ज़रूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं। बिहार में हमारा काम इसी सोच को दिखाता है – किसानों को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक। हम ज़मीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा देने और लंबे समय तक असर डालने में अपना छोटा सा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचडीएफसी बैंक के रीजनल हेड अभिषेक कुमार ने कहा कि बिहार में एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन का काम ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, रोजगार की क्षमता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। एचडीएफसी बैंक के ईस्ट ब्रांच बैंकिंग हेड अनिल खुगशाल ने कहा कि हम पूरे बिहार में बैंकिंग सेवाओं की एक पूरी रेंज देने और यह पक्का करने के लिए समर्पित हैं कि ये सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हों। एक सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के

तौर पर एचडीएफसी बैंक लोगों और परिवारों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने पर भी उतना ही ध्यान देता है। मार्च 2026 में खसम हुए फाइनैशियल ईयर के दौरान एचडीएफसी बैंक भारत में सबसे ज़्यादा सीएसआर खर्च करने वाले बैंकों में से एक था। बैंक ने देश भर में सीएसआर प्रोग्राम्स पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपए खर्च किए थे। परिवर्तन प्रोग्राम के तहत बैंक ने देश भर में 10.77 करोड़ से ज़्यादा लोगों के जीवन पर असर डाला है।

ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस ने जारी की राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रकोष्ठों के प्रभारियों की सूची

You May Also Like



पातावरण का जार बिहार पर गाँवों-कस्बों से उठती समानता की एक नई भोर

September 19, 2026 admin



शिक्षा किसी भी समाज की सबसे कोमल किंतु सबसे शक्तिशाली नींव होती है। परंतु यह नींव तभी सुदृढ़ बनती है

Recent Posts

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर September 24, 2026

ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस ने जारी की राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं प्रकोष्ठों के प्रभारियों की सूची September 24, 2026

डब्ल्यूपीएल 2027 से पहले मुंबई इंडियंस ने ल्यूक विलियम्स को बनाया नया हेड कोच September 24, 2026

परशुराम सेवा सहायता फाउंडेशन के तत्वावधान में वामन देव जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न September 23, 2026

'खुश रहा' के लिए कल्पना पटवारी और रेपर शिक्रिवाल की खास जुगलबंदी September 23, 2026

जुगलबंदी September 23, 2026



Categories

अंतर्राष्ट्रीय

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

Publication : Bihar Patrika

Link : <https://biharpatrika.in/hdfc-bank-parivartan-program/>


बिहार पत्रिका

राज्य राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय खेल शिक्षा विविध स्वास्थ्य / लाइफ स्टाइल सिनेमा/टीवी इंटरव्यू / व्यक्ति विशेष ज्योतिष / धर्म

Home / राज्य / एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन कार्यक्रम का बिहार में 73 लाख लोगों पर असर

रवीता (वि०) September 24, 2026



Facebook



Bihar Patrika बिहार पत्रिका
Follow Page 20K followers

फूड लवर्स के लिए होटल मीर्या के बॉलीवुड ट्रीट्स में वॉक अराउंड एशिया की शुरुआत
25 सितंबर से 4 अक्टूबर तक 12 एशियाई देशों के जायकों का मिलेगा बेहतरीन अनुभव पटना (25 सितंबर 2026): एशियाई व्यंजनों के विविध और लाजवाब स्वाद को एक ही जगह पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से होटल मीर्या के बॉलीवुड ट्रीट्स में वॉक अराउंड एशिया एशियन फूड फेस्टिवल के दूसरे संस्करण की शुरुआत की गई है। यह खास फूड फेस्टिवल 25 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।...

Twitter

Tweets by Bihar Patrika

राज्य के 38 में से 34 जिलों में असर, जिसमें 13 एम्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स शामिल

पटना : भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएफआर विंग परिवर्तन के ज़रिए अब तक बिहार में लगभग 73 लाख लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एचडीएफसी बैंक 2016 से राज्य में सक्रिय है और बिहार के 38 में से 34 जिलों में काम कर रहा है, जिसमें 13 आकांक्षी जिले और 6 आकांक्षी ब्लॉक शामिल हैं। परिवर्तन के तहत, बैंक ने छह मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया है जिनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल है। एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पठान ने कहा कि एचडीएफसी बैंक में हमारा मानना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही तरीका सब पर लागू नहीं होता। परिवर्तन के ज़रिए, हम जरूरतों के हिसाब से ऐसे प्रोग्राम बनाते और लागू करते हैं जो हर इलाके की खास चुनौतियों का समाधान करते हैं। बिहार में हमारा काम इसी सोच को दिखाता है – किसानों को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने तक। हम जमीनी स्तर पर सबके साथ मिलकर विकास को बढ़ावा देने और लंबे समय तक असर डालने में अपना छोटा सा योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एचडीएफसी बैंक के रीजनल हेड अभिषेक कुमार ने कहा कि बिहार में एचडीएफसी बैंक के परिवर्तन का काम ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करने, शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, रोजगार की क्षमता बढ़ाने, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच बढ़ाने और प्राकृतिक संसाधनों के टिकाऊ प्रबंधन को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। एचडीएफसी बैंक के ईस्ट ब्रांच बैंकिंग हेड अनिल खुगशाल ने कहा कि हम पूरे बिहार में बैंकिंग सेवाओं की एक पूरी रेंज देने और यह पक्का करने के लिए समर्पित हैं कि ये सेवाएँ सभी के लिए उपलब्ध हों। एक सामाजिक रूप से ज़िम्मेदार कॉर्पोरेट नागरिक के तौर पर एचडीएफसी बैंक लोगों और परिवारों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने पर भी उतना ही ध्यान देता है। मार्च 2026 में खत्म हुए फाइनेंशियल ईयर के दौरान एचडीएफसी बैंक भारत में सबसे ज्यादा सीएसआर खर्च करने वाले बैंकों में से एक था। बैंक ने देश भर में सीएसआर प्रोग्राम्स पर 31 मार्च 2026 तक 1316 करोड़ रुपए खर्च किए थे। परिवर्तन प्रोग्राम के तहत बैंक ने देश भर में 10.77 करोड़ से ज्यादा लोगों के जीवन पर असर डाला है।



Bihar Patrika बिहार पत्रिका
18 hours ago



फूड लवर्स के लिए होटल मौर्या के बॉलीवुड ट्रीट्स में वाक अराउंड एशिया की शुरुआत

25 सितंबर से 4 अक्टूबर तक 12 एशियाई देशों के जायकों का मिलेगा बेहतरीन अनुभव पटना (25 सितंबर 2026): एशियाई व्यंजनों के विविध और लाजवाब स्वाद को एक ही जगह पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से होटल मौर्या के बॉलीवुड ट्रीट्स में वाक अराउंड एशिया एशियन फूड फेस्टिवल के दूसरे संस्करण की शुरुआत की गई है। यह खास फूड फेस्टिवल 25 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।...



● Twitter

[Tweets by Bihar Patrika](#)

Bihar Bank: बिहार के 73 लाख लोगों की जिंदगी में बदलाव की इबारत लिख रहा एचडीएफसी का ऑपरेशन परिवर्तन, 34 ज़िलों में फैला सीएसआर का दायरा

Publication : News4Nation

Link : <https://n4n.link/95f54d>


चुनाव राज्य भारत मनोरंजन क्राइम एजुकेशन धर्म स्पोर्ट्स लाइफस्टाइल बिज़नेस करियर दुनिया एक्सप्लोर

LATEST
ist Ramayana: ताजमहल घूमने पहुंचे मिस्टरबीस्ट, 26 सितंबर को 'रामायण' प्रमोशन में दिखेंगे?
Bihar News: 35 रुपये किलो प्याज के त

Home / Business

Bihar Bank: बिहार के 73 लाख लोगों की जिंदगी में बदलाव की इबारत लिख रहा एचडीएफसी का ऑपरेशन परिवर्तन, 34 ज़िलों में फैला सीएसआर का दायरा

भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक यानी एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर विंग 'परिवर्तन' के माध्यम से बिहार की आबोहवा और यहाँ के बाशिनदों की जिंदगी में एक गहरा और सकारात्मक प्रभाव पैदा किया है।

Edited By : Hires Kumar | Sat, 26 Sep 2026 10:21:00 AM IST



Trending News



Bihar News: कोसी के बढ़ते पानी के बीच पप्पू यादव का प्रशासन पर हमला,...



MrBeast Ramayana: ताजमहल घूमने पहुंचे मिस्टरबीस्ट, 26 सितंबर को...



Bihar News: 35 रुपये किलो प्याज के लिए उमड़ी भीड़, 60-70 रुपये के बाज़ा...



CM सम्राट चौधरी अंदर, बाहर अचानक गिरा विशाल पेड़, मची अफरा-तफरी,...



Gyanesh Kumar: ECI के दो आयुक्तों की 14 आपत्तियों से बढ़ी...



एचडीएफसी बैंक का परिवर्तन विंग- फोटो : Reporter



Bihar Bank: भारत के सबसे बड़े प्राइवेट सेक्टर बैंक यानी एचडीएफसी बैंक ने अपने सीएसआर विंग 'परिवर्तन' के माध्यम से बिहार की आबोहवा और यहाँ के बाशिनदों की ज़िंदगी में एक गहरा और सकारात्मक प्रभाव पैदा किया है। साल 2016 से राज्य में सक्रिय यह बैंक बिहार के कुल 38 में से 34 ज़िलों में अपनी मुकम्मल मौजूदगी दर्ज करा चुका है, जिसमें 13 आकांक्षी

ज़िले और 6 आकांक्षी ब्लॉक भी शामिल हैं। इस मुहीम के ज़रिए अब तक लगभग 73 लाख लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया गया है, जो राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है।



NEET 2026 GOAL'S RANKING STARS

Rank	Name	Marks	AIR
1	ABHIR KUMAR	695 / 720	AIR 55 (G) + AIR 3 (C)
2	ABHIR KUMAR	671 / 720	AIR 460 (G)
3	ABHIR KUMAR	660 / 720	AIR 901 (G)
4	ABHIR KUMAR	660 / 720	AIR 937 (G)
5	ABHIR KUMAR	652 / 720	AIR 1290 (G)
6	ABHIR KUMAR	651 / 720	AIR 1373 (G)

Helpline : 0612-3508700 www.goalinstitute.org Follow us on 

छह बुनियादी स्तंभों पर टिकी है विकास की यह यात्रा

'परिवर्तन' कार्यक्रम के तहत बैंक ने मुख्य रूप से छह अहम क्षेत्रों पर अपना फोकस केंद्रित किया है। उनमें ग्रामीण विकास, शिक्षा को बढ़ावा देना, कौशल प्रशिक्षण और आजीविका में सुधार, स्वास्थ्य सेवा और स्वच्छता, वित्तीय साक्षरता और समावेशन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन शामिल हैं। बिहार में पानी की किल्लत, मौसम के मिजाज में तब्दीली, बारिश पर निर्भर रहने वाली खेती, और रोजगार के सीमित अवसरों जैसी ज़मीनी चनौतियों से निपटने के लिए बैंक लगातार

कॉरपोरेट जगत की ज़िम्मेदारी और नुसरत पठान का विज़न

एचडीएफसी बैंक की सीएसआर हेड नुसरत पठान का कहना है कि सीएसआर के लिए कोई एक ही पैमाना हर जगह लागू नहीं किया जा सकता। 'परिवर्तन' के ज़रिए हर इलाके की खास ज़रूरतों और चुनौतियों के मुताबिक प्रोग्राम डिज़ाइन किए जाते हैं। किसानों को टिकाऊ खेती में मदद करने से लेकर शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट तक, बैंक ज़मीनी स्तर पर बदलाव लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। वहीं, ईस्ट ब्रांच बैंकिंग हेड अनिल खुगशाल ने इस बात पर जोर दिया कि बैंक पूरे बिहार में बैंकिंग सेवाओं की मुकम्मल रेंज मुमुहैया कराने के साथ-साथ आम अवाम के जीवन में सार्थक तब्दीली लाने के लिए भी संजीदा है।



विभिन्न क्षेत्रों में ज़मीनी स्तर पर हो रहे अभूतपूर्व कार्य

ग्रामीण विकास: अररिया, मधुबनी, सारण, पूर्वी चंपारण, भोजपुर, मुज़फ़्फ़रपुर, वैशाली और पश्चिमी चंपारण जैसे इलाकों में सोलर-पावर्ड सिंचाई, केमिकल-मुक्त प्राकृतिक खेती, वर्मीकम्पोस्टिंग और बायो-रिसोर्स सेंटर जैसी पहलों से किसानों की तकदीर बदल रही है।

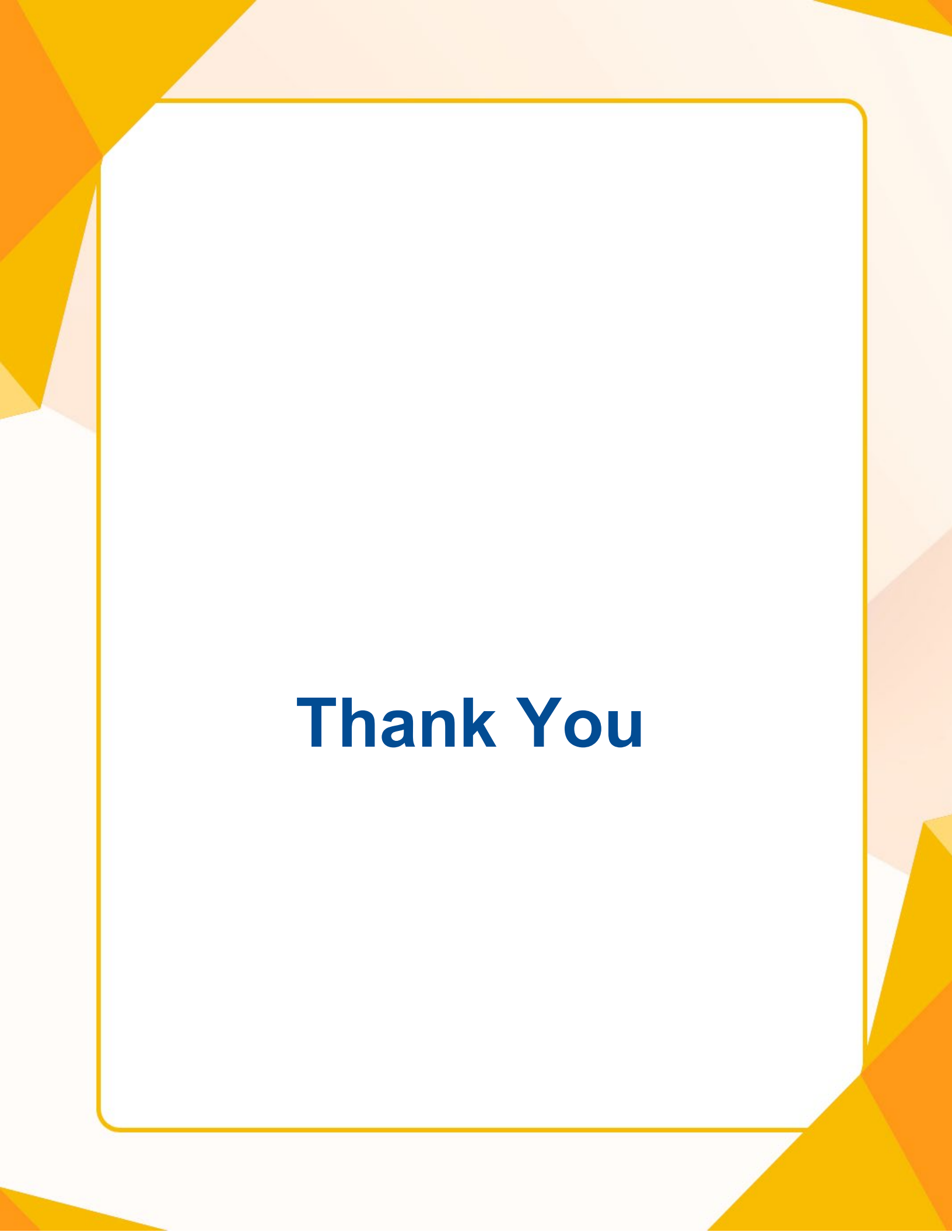


स्किल और रोज़गार: 'प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन' के सहयोग से युवाओं को वोकेशनल ट्रेनिंग दी जा रही है। महिलाओं और युवाओं के नेतृत्व वाले एग्री-प्रक्रिया, टेक्स्टाइल और बेकरी जैसे उद्यमों को बढ़ावा देकर ग्रामीण वैल्यू चेन को मजबूत किया जा रहा है।

हेल्थकेयर और हाइजीन: पब्लिक हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को संवारने के साथ-साथ डायलिसिस सेंटर, मेटरनिटी वार्ड, कैसर स्क्रीनिंग और गया-समस्तीपुर में वेस्ट-मैनेजमेंट जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम हो रहा है।

रहा है।

वित्तीय साक्षरता: 'विजिल आंटी' जैसी पहलों के माध्यम से बिहार के 2.58 लाख से अधिक लोगों को डिजिटल थोखाथड़ी (फाइनेंशियल फ्रॉड) और सुरक्षित बैंकिंग के प्रति जागरूक किया गया है। मार्च 2026 तक देश भर में सीएसआर कार्यक्रमों पर 1,316 करोड़ रुपए खर्च करने वाले एचडीएफसी बैंक का यह 'परिवर्तन' अभियान यह साबित करता है कि सच्ची तरक्की वही है जो समाज के आखिरी पायदान पर खड़े शख्स तक पहुँचे।



Thank You